पाठ 25

भारत की प्रमुख फसलें

आइए सीखें

- भारत में कृषि का क्या महत्व है?
- भारत की प्रमुख फसलें कौन-कौन सी है?
- देश में पाई जाने वाली मिट्टी एवं फसलों का वितरण किस प्रकार है?

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की 70 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या गांवों में निवास करती हैं। उनकी जीविका एवं भरण-पोषण का मुख्य आधार कृषि हैं। देश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि है। अनेक उद्योगों को कच्चा माल कृषि से मिलता है। कृषि उत्पादों पर आधारित इन उद्योगों का राष्ट्रीय आय में भारी योगदान है तथा इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देने की संभावनाएँ छिपी हैं। यही कारण है कि भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है।

स्वतंत्रता के बाद भारतीय कृषि का बड़ी तेजी से विकास हुआ है। यह सब देश के परिश्रमी किसानों, अनुकूल जलवायु और उपजाऊ मिट्टी के कारण संभव हो सका है। संसार के अधिकतर देशों में साल में केवल एक ही फसल पैदा की जाती है। लेकिन भारत में दो फसलों की पैदावार प्रचलित हो रही हैं। भारत में भी अब वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाने लगा है। संसाधनों का उपयोग व आवश्यकतानुसार रासायनिक खादों तथा अधिक उपज देने वाले बीजों के उपयोग से भरपूर फसल होती है। विभिन्न तरह के कीड़ों, नाशक जीव, फफूंद तथा खरपतवार से फसलों को बचाने के लिए अब कीटनाशक, फफूंदनाशी तथा खरपतवार नाशक दवाएं उपलब्ध हैं। उर्वरता बनाए रखने तथा बढ़ाने के लिए हरी तथा गोबर जैसी जैव खादों के साथ-साथ खेतों में रासायनिक उर्वरकों का उचित मात्रा में उपयोग के साथ ही साथ नये-नये कृषि उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है।

प्रमुख फसलें

भारत के अलग-अलग भागों में अलग-अलग फसलें होती हैं। किसी भाग में गन्ना एवं चावल अधिक होता है तो कहीं दालें अधिक होती हैं, तो कही गेहूं, चना तो कहीं मक्का, ज्वार अधिक होती है।

फसलें पानी व तापमान की आवश्यकतानुसार अलग-अलग समय में बोई जाती हैं। बोवाई के आधार पर फसलों को तीन वर्गों में बांटा गया है। खरीफ, रबी और जायद की फसलें।

फसलों के प्रकार	फसलों के नाम	अवधि
खरीफ	धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, उड़द, गन्ना, कपास, तम्बाकू, जूट आदि।	वर्षाऋतु (जुलाई-अगस्त) के प्रारंभ में बोई जाती है तथा सर्दी के प्रारंभ (नवंबर) में काट ली जाती है।
रबी	गेहूं, जौ, चना, मटर, अलसी, राई, सरसों, आलू आदि।	ये जाड़े के प्रारंभ (नवंबर) में बोई जाती है तथा गर्मी के प्रारंभ (अप्रैल) में काटी जाती हैं।
जायद	सब्जियां, ककड़ी, खरबूज, तरबूज आदि।	ये गर्मी के प्रारंभ (अप्रैल) में बोई जाती है तथा वर्षा के प्रारंभ (जुलाई) में काट ली जाती है।

मिट्टी एवं फसलें- हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भोजन मिट्टी से ही प्राप्त करते हैं। विभिन्न फसलें तिलहन, पेय पदार्थ, सब्जियां, फल आदि हमें मिट्टी से प्राप्त होते हैं। अन्य भोज्य पदार्थ जैसे अंडे, मांस और दूध पशु उत्पाद है। लेकिन पशु भी जो घास और चारा खाते हैं वह मिट्टी से ही प्राप्त होता है। भारत में अनेक प्रकार की मिट्टियां पाई जाती हैं-

- **जलोढ़ मिट्टी-** यह मिट्टी नदियों द्वारा निक्षेपित महीन गाद से निर्मित होती है। यह संसार की सबसे अधिक उपजाऊ मिट्टियों में से एक है। यह भारत के उत्तरी मैदान और प्रायद्वीपीय भारत की नदियों के डेल्टा प्रदेशों में पाई जाती है। इन क्षेत्रों में गेहूं, चावल, गन्ना इत्यादि फसलें बहुत होती हैं।
- **काली मिट्टी-** यह ज्वालामुखी शैलों से बनी मिट्टी होती है। यह नमी को लंबे समय तक संजोए रखती हैं। भारत में यह महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और गुजरात के कुछ भागों में मिलती है। यह मिट्टी कपास, गेहूं आदि की फसल लगाने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होती है।
- **लाल मिट्टी-** आग्नेय शैलों में बनी यह भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी और पूर्वी भागों के ऊष्ण और शुष्क भागों में पाई जाती है। यह मिट्टी कम उपजाऊ है। परंतु उर्वरकों की सहायता से इसमें फसलें अच्छी उगायी जा सकती हैं।
- **लैटराइट मिट्टी-** पश्चिमी घाट, छोटा नागपुर के पठार और उत्तर पूर्वी राज्यों के कुछ भागों में पहाड़ी प्रदेशों की गर्म जलवायु और वर्षा की अधिकता वाले क्षेत्रों में पाई जाती है। भारी वर्षा के कारण, मिट्टी की ऊपरी सतह के पोषक तत्व घुलकर बह जाते हैं। अत: यह कम उपजाऊ होती है।

हिमालय के पर्वतीय प्रदेशों में मिट्टी का आवरण बहुत पतला है जबकि घाटियों में यह अधिक गहरा

है। इन प्रदेशों की मिट्टी को पर्वतीय मिट्टी कहते हैं। घाटियों में चाय, चावल व कई किस्मों के फल उगाये जाते हैं।

राजस्थान और गुजरात के मरुस्थलीय क्षेत्रों में पाई जाने वाली बलुई मिट्टी को रेगिस्तानी मिट्टी कहते हैं। इस क्षेत्र में ज्वार, बाजरा, मक्का और जौ सम्मिलित रूप से मोटे अनाज उगाये जाते हैं।

प्रमुख खाद्यान्न फसलें- गेहूं, धान और दालें आदि खाद्यान्न फसलें हैं। यह सामान्यत: प्रतिदिन के भोजन में प्रयोग में लायी जाती हैं। इसके अलावा ज्वार, बाजरा और मक्का भी खाद्यान्न फसलें हैं। मानचित्र

में प्रमुख खाद्यान्न/फसलों का वितरण बताया गया है। चावल पूर्वी भारत एवं दक्षिणी भारत की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं जो पं. बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, केरल, तमिलनाडु, बिहार, असम में पैदा होता है। गेहूं, उत्तरी भारत की मुख्य खाद्यान्न फसल है। प्रमुख उत्पादक राज्य है- उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा और मध्यप्रदेश।

ज्वार मुख्य रूप से महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में उगायी जाती हैं। बाजरा, राजस्थान और गुजरात की मुख्य फसल है। मक्का की फसल पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश में उगायी जाती है।

चावल, ज्वार, बाजरा और मक्का खरीफ की फसल है। गेहूं, चना रबी की फसल है।

नीचे भारत का नक्शा दिया गया है इस नक्शें में वह राज्य दिखाएं गये हैं जहां गेहूं व धान की खेती की जाती है। दिए गए नक्शें को देखकर उन राज्यों के नाम लिखो जहां-जहां गेहूं व धान उगाया जाता है।

गेहूं उत्पादक राज्य	धान उत्पादक राज्य
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________

दालें- यह हमारे भोजन में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत है। चना, अरहर अथवा तुअर, मसूर, उड़द, मूंग तथा मटर दालों की प्रमुख किस्में हैं। इन सभी दालों को उन क्षेत्रों को छोड़कर जहां वर्षा बहुत अधिक होती है, पूरे भारतवर्ष में उगाया जाता है। दाल के पौधे फलीदार होते हैं। ये जिस मिट्टी में बोये जाते हैं उसकी उर्वरता को बनाए रखने में सहायक होते हैं।

अखाद्यान्न फसलें

तिलहन- मूंगफली, सरसों, तिल, अलसी, अरंडी, कुसुम, सूरजमुखी और सोयाबीन तिलहन के अंतर्गत आते हैं। इन सभी के बीजों से तेल निकाला जाता है। पूर्वी तथा उत्तरी भारत में सरसों, पश्चिमी भारत में मूंगफली, मध्य भारत में सोयाबीन तथा दक्षिण भारत में नारियल के तेल का प्रयोग खाना बनाने में किया जाता है। परंतु मूंगफली और सूरजमुखी का तेल खाना बनाने में पूरे भारत में प्रचलित है।

रेशेदार फसलें- कपास तथा जूट दो प्रमुख फसलें हैं जिनसे रेशें प्राप्त होंते हैं। दक्षिण पठार की काली मिट्टी में कपास का पौधा अच्छी तरह उगता है तथा यहां पर्याप्त ताप व खिली-धूप भी मिलती है। महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश व गुजरात में कपास होता है। पटसन या जूट की खेती पश्चिम बंगाल में गंगा के डेल्टा में मुख्य रूप से की जाती है।

रोपण फसलें- चाय, कहवा भारत में उगाई जाने वाली दो प्रमुख पेय फसलें हैं। चाय आसाम की ब्रह्मपुत्र और सूरमा घाटियों में पश्चिम बंगाल के हिमालय के ढालों पर, कांगड़ा कुमाऊ और दक्षिण भारत की नीलगिरि के पहाड़ी ढालों पर उगाई जाती है। भारत संसार के प्रमुख चाय निर्यातक देशों में से एक है।

कहवा, उष्णकटिबंधीय उच्च भूमि की उपज है। कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु इसके प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। कहवा के कुल उत्पादन का लगभग तीन चौथाई भाग निर्यात किया जाता है।

गन्ने के पौधे के लिए उच्च तापमान, सिंचाई के लिए अधिक और अच्छे जल निकास वाली उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता होती है। हमारे देश के बहुत से भागों में गन्ने की खेती की जाती है जिसमें उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश आदि प्रमुख उत्पादक राज्य है।

अभ्यास प्रश्न

1. लघुत्तरीय प्रश्न-

(अ) भारत में कृषि का क्या महत्व है?

(ब) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय कृषि का तेजी से विकास हुआ, क्यों?

(स) भारत में बोई जाने वाली खरीफ, रबी और जायद फसलों के दो-दो नाम लिखें।

(द) नीचे कुछ फसलों के नाम दिये हैं, इन्हें दलहन और तिलहन फसलों के आधार पर वर्गीकरण करें- चना, तिल, सरसों, अलसी, उड़द, मसूर, सूरजमूखी, सोयाबीन, मूंग, मटर, अलसी

दलहन फसलें	तिलहन फसलें
______________	______________
______________	______________
______________	______________

2. निम्नलिखित फसलों में से अनाज, तिलहन व दलहन के आधार पर असमान को अलग करें।

अ. धान, मक्का, गेहूं, ज्वार, गन्ना

ब. चना, अलसी, कपास, सरसों

स. मूंग, उड़द, सोयाबीन, मटर, तुअर

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पाई जाने वाली मिट्टियों का वर्णन करते हुए उनमें बोई जाने वाली फसलों को बताइए।

4. भारत के मानचित्र में चावल, गेहूं, गन्ना, कपास तथा जूट उत्पादक राज्यों को दर्शाइए :-